6th JPSC Mains - Model Paper– 2

प्रश्न पत्र - II

हिन्दी भाषा एवं साहित्य

समयः 3 घंटे

पूर्णांकः 150

हिन्दी भाषा एवं साहित्य

खंड (अ)

1. निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजियेः अंक : 25

(क) अवहट्ट

(ख) अलंकार

(ग) कार्यालयी हिन्दी की विशेषताएँ

(घ) समास

(ङ) हिन्दी भाषा की ध्वनि व्यवस्था

2. जनसंचार भाषा के रूप में हिन्दी की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डालिये। **10 : अंक**

3. हिन्दी भाषा के विकास में अपभ्रंश के योगदान का विवेचन कीजिये। **10 : अंक**

4. मानक हिन्दी की कारक व्यवस्था पर सोदाहरण प्रकाश डालिये। **15 : अंक**

5. देवनागरी लिपि के उद्भव को स्पष्ट करते हुए, इसके प्रमुख गुण व दोषों की चर्चा कीजिये। **15 : अंक**

खंड (ब)

6. निम्नलिखित पदों की सप्रसंग व्याख्या कीजियेः 25 : अंक

(क) गुरु गोविंद तौ एक है, दूजा यहू आकार।
आपा मेट जीवन मरै, तौ पावे करतार।।

(ख) "धिक् जीवन को जो पाता ही आया विरोध,
धिक् साधन, जिसके लिये सदा ही किया शोध!
जानकी! हाय, उद्धार प्रिया का हो न सका।"
वह एक और मन रहा, राम का जो न थका,!!

(ग) छीनता हो स्वत्व कोई और तू,
त्याग तप से काम ले यह पाप है।
पुण्य है विच्छिन्न कर देना उसे,
बढ़ रहा तेरी तरफ जो हाथ हो।।

(घ) मैं फिर काम शुरू करूंगा- यहीं, इसी गाँव में। मैं प्यार की खेती करना चाहता हूँ। आँसू से भीगी हुई धरती पर प्यार के पौधे लहलहाएंगे। मैं साधना करूंगा, ग्रामवासिनी भारत माता के मैले आँचल तले। कम से कम एक ही गाँव के कुछ प्राणियों के मुरझाए होठों पर मुस्कुराहट लौटा सकूँ। उनके हृदय में आशा और विश्वास के प्रतिष्ठित कर सकूँ।

(ङ) मगर कोठरी में बैठने की देर थी कि आँखों से छल-छल आँसू बहने लगे। वह दुपट्टे से बार-बार उन्हें पोछती, पर वे बार-बार उमड़ आते, जैसे बरसों का बांध तोड़कर उमड़ आए हों। माँ ने बहुतेरा दिल का समझाया, हाथ जोड़े, भगवान का नाम लिया, बेटे के चिरायु होने की प्रार्थना की, बार-बार आँखें बंद की, मगर आँसू बरसात के पानी की तरह जैसे थमने में ही न आते थे।

7. भारतेंदुयुगीन हिन्दी नाटक का परिचय दीजिये। **10 : अंक**

8. कामायनी के महाकाव्यत्व पर विचार कीजिये। **10 : अंक**

9. 'गोदान' भारतीय किसान के पूरे जीवन-संघर्ष और उसके पराभव की करुण गाथा है। इस कथन के संदर्भ में 'गोदान' की विवेचना कीजिये। **15 : अंक**

10. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर निबंध लिखियेः 15 : अंक

(a) शराबबंदी और महिला सशक्तीकरण

(b) राजनीति में अपराधीकरण

(c) पर्यावरण व सतत् विकास

(d) सवर्ण आरक्षण : कितना सही, कितना गलत